DJRD-1-HI

क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा? 1

अनाऊंसर: आज हम आपको बहस में न्योता देना चाहते हैं, संसार के बहुत ही विख्यात फिलोसोफर नास्तिक के साथ, डॉ. एन्थनी फ्लू, ये ऑक्स्फ़र्ड युनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे, और मसीही फिलोसोफर और इतिहासकार डॉ. गैरी हैबरमास, लिबिर्टी युनिवर्सिटी के फिलोसोफी के डिपार्टमेंट के वर्तमान के चेअरमैन हैं/ आज का विषय है क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा?

डॉ. एन्थनी फ्लू: मेरे जैसे व्यक्ति के लिए, जो किसी चमत्कार के बारे में देखता है, तो स्वभाविक रूप में यही सोचता है, यहाँ कुछ गलती जरुर होगी, हाँ, मैं ये मानता हूँ कि चमत्कार होते हैं, तो भी हमें बहुत अद्भुत कुछ चाहिए/

डॉ. गैरी हैबरमास: शायद सबसे महत्वपूर्ण सच्चाई जिसका चेलों ने अनुभव किया होगा कि उन्होंने विश्वास किया कि ये जी उठे यीशु का प्रकटीकरण है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी अवश्य ही आप इसे स्वाभाविक रूप में बता रहे हैं, तो मुझे अपनी थेयरी दिजिए कि ये कैसे हुआ,मतलब कुछ हुआ था यही सब कहते हैं/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, मैं सोचता हूँ कि ये शोक से संबन्धित दर्शन थे, और ऐसा कुछ नही हुआ जिसे और किसी ने देखा होगा/

डॉ. गैरी हैबरमास: सोचता हूँ की टोनी खुद को गर्म पानी में झोंक रहे हैं, नम्बर एक कि कब्र खाली थी, और इसका खाली होने का कोई कारण नही था, दूसरी बात की चेलों को भ्रम था, ये काम नही करते इसके आधे दरजन मैंने कारण दिए हैं/ भ्रम को नही देखा, वो सही मनस्थिति में नही थे, यहाँ अलग समय, जगह, लोग, स्त्री-पुरुष थे, बाकि काम कर रहे थे, खाली कब्र, ये जीवन नही बदलता, याकूब, पौलुस, हर कारण हैं/

डॉ. एन्थनी फ्लू: नही, मैं यही कहना चाहता हूँ कि यहाँ पर पौलुस ने सच में क्या देखा, उसने सोचा कि उसने जी उठे मसीह को देखा है/ लेकिन वहां देखा जाने के लिए क्या था, और उसके साथियों ने जी उठे मसीह या और कुछ नही देखा/

डॉ. गैरी हैबरमास: हर दोष निकालनेवाला विश्वास करता है, कि चेलों ने सोचा की उन्होंने जी उठे यीशु को देखा है/ मुद्दा ये है, यदि चेलों ने सोचा कि जी उठे यीशु को देखा है, और भ्रम काम नही करते हैं, और हम ये भी जानते हैं कि और कुछ काम नही करता है/ हमारे पास ये अद्भुत घटना है/

अनाऊंसर: मसीहियत मसीह के पुनरुत्थान पर खड़ी रखती या गिर जाती है/ यदि मसीह मुर्दों में से जी उठा है, तो मसीहियत सच्ची है, यदि वो नही जी उठा, तो मसीहियत झूठी है, यहाँ तक कि प्रेरित पौलुस ने लिखा, यदि मसीह नही जी उठा, तो हमारा विश्वास बिना बुनियाद का है, हमारा प्रचार बेकार है, और हम अब भी हमारे पापों में हैं/ हम आपको इस महत्वपूर्ण बहस में जुड़ने का न्योता देते हैं/ द जॉन एन्करबर्ग शो में/

***

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है, आप हमारे साथ जुड़े हैं, मेरे मेहमान हैं संसार के डॉ महान फिलोसोफर, और मुश्किल सवाल पर बहस होगी, कि क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा है/ इस पहले सेगमेंट में मैं आपको मेहमान के बारे में कुछ बताना चाहता हूँ कि आप जाने कि ये कौन हैं, मेरे पहले मेहमान हैं डॉ. एन्थनी फ्लू, जो आज संसार के सबसे विख्यात फिलोसफिक्ल नास्तिक हैं, ये प्रोफेसर हैं, इंग्लैंड की एक युनिवर्सिटी में, साथ ही ये हमेशा के प्रोफेसर रहे हैं, युनिवर्सिटी ऑफ़ कीओ, किंग्स कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ एबरडीन, क्राइस्ट चर्च ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में, और ये संसार के 12 युनिवर्सिटी में विजिटिंग प्रोफेसर रहे हैं, इन्होने सेंट जॉन्स कॉलेज से एम ए कई डिग्री ली, ओक्स्फार्ड युनिवर्सिटी से, और डॉक्टर ऑफ़ लिटरेचर युनिवर्सिटी ऑफ़ कीओ से, इन्होने 23 से भी ज्यादा किताबें लिखी हैं, 12 से अधिक को एडिट किया है और सम्मानित जरनल्स में 72 से भी ज्यादा लेख लिखे हैं/ ये तो केवल वही हैं जो मैं गिन सका, यदि आप अपने इनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ फिलोसफी में देखेंगे, इसमें चमत्कार के बारे में लिखे लेख डॉ. फ्लू ने लिखे हैं, क्योंकि इस समय पुरे संसार में ह्युम स्कॉलर हैं/

मेरे दूसरे मेहमान हैं, डॉ. गैरी हैबरमास, ये फिलोसफी और थियोलोजी डिपार्टमेंट के चेअरमैन हैं, लिबर्टी यूनिवर्सिटी लिन्चबर्ग वर्जिनिया में, गैरी ने डॉक्टर डिग्री पाई हैं मैन्युअल कॉलेज, ओक्स्फार्ड इंग्लैंड से, और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी से पी एच डी की है, इन्होने 21 किताबें लिखी हैं, और सम्मानित जरनल में 110 से भी ज्यादा लेख लिखे हैं, और दोस्तों मैं खुश हूँ कि आप यहाँ आए, हम अद्भुत चर्चा करनेवाले हैं/

और डॉ. हैबरमास, मैं सोचता हूँ कि लोग अभी देख रहे हैं, हम चर्चा कर रहे हैं कि क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा है, वो कहते हैं, कम ऑन, याने आप कहते हैं कि सबूत हैं, सच्चाई और इतिहास है, जब आप ऐसी मैगज़ीन देखते जैसे न्यूज विक और टाइम्स, जो हर 6 या 8 महीनों में आती हैं, उस में से ये एक हैं यीशु का दर्शन, और इन मैगज़ीन में हर तरह की बातें हैं, लेकिन वो ये कहते हैं, कि इसके बहुत कम सबूत हैं, अब आपने आगे आकर ये छोटी किताब लिखी हैं, द हिस्टोरिकल जीजस, और अचानक आप इस सच्चाई के बारे में कहते हैं, कि जब आप मिशिगन में आपनी पी एच डी कर रहे थे, तो आप दोष निकलनेवाले थे,और सच तो ये है कि इन सच्चाई ने आपको यीशु पर विश्वास में लाया/ और आपने कहा है कि कम से कम 12 ऐतिहासिक सच्चाई हैं, जिसे आज सब दोष निकालनेवाले विद्वान् मानते हैं, मैं चाहता हूँ कि आप बताइए कि ये केस क्या है और आप शुरू कीजिए/

डॉ. गैरी हैबरमास: खैर, जॉन उन में से कुछ हाय-लाइट्स पर जोर दूंगा, आज ये माना जाता है कि यीशु मरा, क्रुसीकरण से, मतलब जॉन क्रॉसन और जीजस सेमीनार से दूसरे लोग कहते हैं, कि ये प्राचीन संसार में बहुत ही जानी पहचानी सच्चाई थी, वो गाढ़ा गया, और अवश्य ही इस घटना से चेले पूरी तरह से डर गए थे, अब ये सच्चाई कि कब्र खाली थी, इसे बहुत से विद्वान् मानते हैं, लेकिन इस सूचि के बहुत से लोग नही, शायद सबसे महत्वपूर्ण बात, तो ये सच्चाई है कि चेलों ने अनुभव किया था कि वो विश्वास करते थे, कि ये जी उठे यीशु का प्रकटीकरण है/ वो इसके परिणाम में बदल गए थे, पुनरुत्थान उनका मुख्य संदेश था जो उन्होंने यरूशलेम में प्रचार किया, चर्च का जन्म हुआ, और कुछ लोग हैं जैसे याकूब और पौलुस, जो पहले दोष निकालनेवाले थे, एक परिवार का था और एक बाहर का था, जिसने विश्वासियों को सताया था, और वो भी मसीह के पास आए, उन अनुभवों के द्वारा जो उन्होंने विश्वास किया था कि ये जी उठे यीशु का प्रकटीकरण है/

और, खैर आज बहुत से विद्वान् हैं ऐतिहासिक यीशु के चलन में, वो तो मुझ से भाई बहुत आगे हैं, उन्होंने भी मेरे जैसे इस तरह सूचि से शुरू किया था, ये तो समान भूमि है जिससे हम अपने डेटा को देख सकते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब टोनी आप हैबरमास की बातों के बारे में क्या सोचते हैं?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, मैं इन सच्चाई पर विवाद नही करता, मैं कहना चाहूँगा कि हाँ, लेकिन, इन सबूतों की परिस्थिति में, ये तो कई तरह से सन्तुष्ट नही करनेवाली हैं, शुरू करे तो कोई नही जानता कि किस साल ये क्रुर क्रुसीकरण की और दूसरी घटना हुई थी, और ये तो बहुत ही अद्भुत बात है, कोई भी जन्मदिन नही जानता है, वैसे तो बहुत से महत्वपूर्ण लोगों के जन्म दिन भी पता नही है, और दूसरी बात तो ये है की हमारे सारे सबूत, तो आधारित हैं विश्वास करनेवाले लोगों द्वारा लिखे गए लेखों पर, उन में से कोई भी खुद आँखों देखा गवाह नही था और हमारे पास पूरी तरह से कुछ नही है, यरूशलेम के बाकि लोगों की और से, कि हमें बताए कि वो क्यों नही बदल गए, और क्या सच में ये भूकंप और दूसरे चमत्कार हुए थे या नही/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप इसके बारे में क्या कहते हैं गैरी?

डॉ. गैरी हैबरमास: जैसे आपने कहा कि शुरू के लेख लिखनेवाले ये आँखों देखे गवाह नही थे, जी, आपके लेखों से मैं सोचता हूँ कि आपने पौलुस को अलग रखा, ठीक है?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, जी, मैं कह रहा हूँ, सुसमाचार के लेखक/

डॉ. गैरी हैबरमास: लेकिन पौलुस तो आधिकारिक आँखों देखा गवाह था/

डॉ. एन्थनी फ्लू: बिलकुल/

डॉ. गैरी हैबरमास: जिसे ने अधिकारीक पौलुस की किताबें लिखी हैं/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, लेकिन अवश्य ही वो उस समय यरूशलेम में नही था/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, उसके कुछ समय बाद, वो वहां था जब स्तिफनुस पर पत्थरवाह हुआ, लेकिन, लेकिन, साथ है मैं बाइबल के बाहर के डेटा के साथ सहमत नही हूँ, मैं सोचता हूँ, हमारे पास हर बात के लिए बाइबल के बाहर का डेटा है, मैं कहूँगा कि ये सूचि जो मैंने दी है, इस में से हर एक, सब कुछ शायद चेलों का भागना छोडकर, ये अच्छी मानसिक सच्चाई है, लेकिन बाकि सबको केवल पौलुस द्वारा ही साबित किया जा सकता है/ लेकिन मैं सोचता हूँ कि उन में से अधिकतर को हम बाइबल के बाहर के लेखों से भी देख सकते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हमें कुछ उदाहरण दिजिए और कुछ डेटा बताइए/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, पहला कुरिन्थियों 15 में, मैं सोचता हूँ इस पर कोई सवाल नही है, ये तो सबूतों का मुख्य भाग है, मतलब दाहिने से लेकर बाए तक, मतलब, मुझे याद हैं कि एक सक्रिय विद्वान द्वारा इसे देखा गया था, जो टोनी के बाई ओर बैठे थे उन्होंने कहा, उन्होंने कहा हैबरमास के पास पहला कुरिन्थियों 15 को छोड़ और कोई अच्छा सबूत नही है, मैं सोचता हूँ कि वो ऐसे नही कह सकते कि पुनरुत्थान पर चर्चा कर सके क्योंकि पहला कुरिन्थियों 15 तो अद्भुत डेटा है, जिसे पौलुस ने शुरू में ही लिखा इसवी सन 55 से 57 के बिच, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण वचन 3 में,पहला कुरिन्थियों 15 में, पौलुस कहता है कि उसने जो बात पाई वो दूसरों को भी दे दी, और ये डेटा, याने ये शब्द जो है दिया या पाया, ये तो परंपरा को दूसरों को देने के टेक्निकल शब्द हैं, और जब आप इसे अलग करते हैं, तो ऐसे दीखता है कि पौलुस ने ये सब यरूशलेम में ही पाया था, पतरस और याकूब से, ये पौलुस के लेख गलातियों 1 वचन 18 के अनुसार है, यहाँ जो शब् उपयोग करता है ये दिखता है कि उसने जाँच करनेवाले रिपोर्टर की भूमिका निभाई है/ और उसके तुरन्त बाद जो संपर्क है, यही सुसमाचार का स्वभाव है/ तो मैं सोचता हूँ कि पौलुस बदल गया था, क्रूस के डेढ़ साल बाद, जो समय दोष निकालनेवाले कहते हैं, तीन साल बाद वो यरूशलेम जाता है, याने हम सन 35 की बात कर रहे हैं, चलिए

कहते हैं कि 30 में क्रूस हुआ, सन 35 में याने 5 साल बाद, वो ये साहित्य लेता है, पतरस और याकूब से, याने जैसे प्राचीन इतिहास बताता है, कि ये तो बहुत बहुत शुरू की बात है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और पतरस ने पौलुस को क्या दिया था जिसके बारे में उसने लिखा/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, ऐसा लगता है कि पतरस और याकूब से पौलुस को पहला कुरिन्थियों 15 के ये प्रकटीकरण मिले,और खैर बता दूँ कि पौलुस को छोडकर पतरस और याकूब दो आँखों देखे गवाह थे, जिनके नाम हैं, पहला कुरिन्थियों 15 में पौलुस की सूचि में, याने ये कसा हुआ नेटवर्क है और हम देख रहे हैं, प्राचीन इतिहास और मैं सोचता हूँ कि जर्मन दोष निकालनेवाले इतिहासकार, होन्स वॉन कैम्पेनहाउस,उन्होंने कहा, पहला कुरिन्थियों 15:3 से आगे हमारे पास वो साहित्य है जिस में इतिहास के हर स्थर हैं, जिसे प्राचीन टेक्स्ट में उपयोग किया जा सकता है/ और वो भी बाई और बैठे थे, मैं जानता हूँ कि टोनी पौलुस की बात पर विश्वास नही करते हैं, लेकिन मैं कहता हूँ कि हमारे पास ये बहुत शुरु से है, और ये बहुत बहुत महत्वपूर्ण है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: टोनी, आप क्या सोचते हैं, पौलुस को छोड़ इन आँखों देखे गवाह के बारे में?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, मुझे इस में कुछ संदेह नही है, कि वो ऐसा कुछ बता रहा था जो उसके साथ हुआ था/ उसके साथ साथी थे, लेकिन वो जो बता रहा था उसके साथ वो संपर्क में था, उसने सोचा कि वो जी उठे यीशु को देख रहा है/ लेकिन उसके साथियों ने कुछ भी नही देखा, संदेह है कि उन्होंने क इवल आवाज़ सुनी थी/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी सबसे पहले मैं कहता हूँ कि पौलुस के साथी, ये विचार कि उन्होंने वो नही देखा जो उसने देखा था, ये केवल प्रेरितों की किताब में है, हम इसे पौलुस से नही पाते हैं, मैं कह रहा हूँ कि यदि प्रेरितों को यही देखे तो मुझे और भी दूसरे साहित्य मिलते हैं जिसे प्रेरितों के काम में बताया गया है, लेकिन दूसरी बात है कि मैं आप से सहमत नही, मैं सोचता हूँ कि पौलुस कह रहा था कि यीशु शारीरिक रूप में उसके सामने प्रकट हुआ, और मुझे पसंद आएगा कि आपको पौलुस के लेखों से ये दिखा सकूं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब हम ब्रेक लेंगे और वापस आएँगे, हम चर्चा कर रहे हैं, कि क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा है, हम चर्चा कर रहे हैं प्रेरित पौलुस पर, उसने याकूब और पतरस से जानकारी पाई थी, और किस तरह का पुनरुत्थान हुआ था, क्या ये आत्मिक था, या ये शारीरिक था, या ये केवल भ्रम था, या और कुछ था, वापस आने पर इस पर चर्चा करेंगे/

ब्रेक/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम लौट आए हैं और चर्चा कर रहे हैं, दो अद्भुत मेहमानों से, डॉ. एन्थनी फ्लू जिन्हें संसार के विख्यात फिलोसोफीक्ल नास्तिक माना जाता है/ और डॉ. गैरी हैबरमास, ये विख्यात मसीही फिलोसोफर और इतिहासकार हैं, इन्हें यीशु के जी उठने के सबूतों के बारे में माहिर व्यक्ति माना जाता है/

अब ये क्यों महत्वपूर्ण है कि 12 सत्यों का भाग रखे, जिसे सब दोष निकालनेवाले याने केवल इवेंज्लिक्ल ही नही, लेकिन सब दोष निकालनेवाले माने हैं, चलिए इसे समझते हैं, सबसे पहले वो ये डेटा क्यों स्वीकार करते हैं/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, मैं सोचता हूँ कि वो इसे स्वीकार करते हैं क्योंकि ये अच्छी भूमि पर आता है, आज पौलुस को सब स्वीकार करते हैं जैसे टोनी ने कहा है, देखा जाए तो इस सूचि में सबकुछ केवल पौलुस द्वारा ही साबित किया जा सकता है/ और सब सोचते हैं कि यहाँ सुसमाचार और प्रेरितों से कुछ लिया जा सकता है, तो

मैं सोचता हूँ कि ये अच्छे सबूत के साथ आता है, ये 12 ही क्यों, ये तो ऐसा है जो मैं ऐतिहासिक यीशु के बारे में देख पाया, दूसरों के पास इसे बड़ी या छोटी सूचि हो सकती है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और लोग इस पर सवाल पूछते हैं गैरी, मैं आपकी किताब से ये समझता हूँ, इन सब 12 के लिए बहुत से सबूत हैं, ये इतिहास से हैं,आप इसके बारे में हमें बताइए/

डॉ. गैरी हैबरमास: हम इन में से कोई भी एक देखते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब टोनी, क्या आप सहमत हैं कि ये 12 सच्चाई विद्वान् स्वीकार करते हैं?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, अब सवाल ये है कि हमारे पास ये सच्चाई है,तो हम इससे क्या निश्कर्ष निकाल सकते हैं? टोनी आप उससे क्या निश्कर्ष देंगे?

डॉ. एन्थनी फ्लू: केवल इसी में से, याने पौलुस को अलग रखते हुए, कोई खास दिलचस्पी की बात नही, नही/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, याने सच्चाई ये है कि इन में से एक, यदि मुझे सही तरह से याद है, और इसे बताता हूँ,चेलों ने विश्वास किया था कि उन्होंने जी उठे यीशु का असली अनुभव किया था/ जी, अवश्य ही आप इसे स्वाभाविक रूप में लेते हैं, तो मुझे अपनी थेयरी दिजिए कि ये कैसे हुआ, मतलब कुछ तो हुआ था, सब यही कहते हैं/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, मैं सोचता हूँ कि ये शोक से संबन्धित दर्शन थे, और देखा जाए तो ये सामान्य बात है, ऐसे लोग जो पति या पत्नी खो बैठते हैं, या रिश्तेदार को तो इसके बारे में व्याकुल होते हैं, तो अचानक इस तरह से महसूस कहते हैं, कि उन्होंने आस पास इसी तरह के व्यक्ति को देखा है, उन्ही के घर में, मैं इसे शोक से संबन्धित दर्शन मानता हूँ, और ऐसा कुछ नही था जिसे दूसरों से देखा हो/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आपने हालही में जैक केन्ट की किताब पर रिव्यू लिखा है, द सयकोलोजिक्ल ओरिजिन ऑफ़ द रिसरेकष्ण मिथ, ठीक है? और मैं सोचता हूँ कि ये आ रहा है, फ्री इन्क्वायरी मैगज़ीन और दूसरों में भी/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: एक तरह से वो कह रहे थे कि दो कारण हैं, जिसे वो मानते हैं कि चेलों ने ये अनुभव पाए थे, चेलों को शोक के कारण भ्रम हुआ, और पौलुस को बदलाव का दिमागी झटका लगा/ क्या आप इससे सहमत हैं?

डॉ. एन्थनी फ्लू: खैर, मैं बदलाव के दिमागी झटके के बारे में कुछ नही जानता, लेकिन, स्पष्ट रूप में ये इस तरह है जो विलियम जेम्स ने वेरायटीज ऑफ़ रिलीज एक्सपीरियंस में लिखा था, कि इस तरह के अद्भुत धार्मिक बदलाव के केस में क्या हुआ, बहुत से लोग किसी आस्था से आते हैं, तो बहुत धीमे रूप में बढ़ते हैं और ये सब, और ऐसे बहुत से केस हैं, इन में से बहुत कुछ बिलियम जेम्स के काम में देख सकते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: चलिए मैं बताता हूँ कि ये इतना महत्वपूर्ण क्यों हैं/ 15 साल पहले, आप दोनों लोगों की अदभु डीबेट हुई, हम में से बहुत से लोग उसे चुक गए, मुझे उसके बारे में किताब में पढना पड़ा, लेकिन वो अदभु डीबेट थी, लेकिन जैक कैन्ट, जिनके लिए आप रिव्यू लिख रहे हैं, उन्होंने कहा कि बहुत सी सच्चाई जो

हैबरमास ने दी, जो उन्होंने बताई वो अद्भुत सच्चाई हैं, समस्या ये थी कि फ्लू के पास थेयरी नही थी, कि उन सच्चाई के बारे में बताए, और वो डीबेट खो बैठे, क्या आप इसी थेयरी के साथ चलना चाहेगे?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, मैं सोचता हूँ कि पिछले 15 साल में मैंने यही सिखा है, आशा है कि इसके साथ और भी कुछ सिखा है, लेकीन ये बहुत व्यवहारिक है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, आप लोग दोस्त हैं, तो दोस्ती को थामे रहिए, अब गैरी, ये बात कि भ्रम काफी समय से था, लेकिन ये तो भ्रम का खास भाग है, यहाँ पर चेलों के लिए शोक का भ्रम है, इसके बारे में बताइए और बदलाव का दिमागी झटका पौलुस के लिए था, ये कितना सही है?

डॉ. गैरी हैबरमास: मुझे नही लगता कि ये सच है, चलिए इसे हम उलटे क्रम में देखते हैं, चलिए पौलुस को देखते हैं, इस किताब में जैक केन्ट बताते हैं कि पौलुस को बदलाव से दिमागी झटका लगा, वो ये कहते हैं, लेकिन ये नही बताते हैं, मतलब ये सच में ऐसा भाग है, क्योंकि बहुत से लोग बदलाव के दिमागी भाग को नही देखते, वो डी एस एम 3 के बारे में बताते हैं, जो साइकाइट्री के लिए खास जाँच का साधन हैं/

यदि दमिश्क के मार्ग पर पौलुस को इस तरह की दिमागी परेशानी हुई, तो बहुत सी समस्याएँ होगी, चलिए इसे बताता हूँ, नम्बर एक, डायग्नोस्टिक लिटरेचर में भ्रम के बारे में कुछ भी नही है, ये तो बहुत जल्दी से अपना मन बदल देना है/ थोड़े समय का है और चला जाता है, याने दिमागी झटके से ये नही होगा, दोष निकालनेवाले के लिए भी, बदलाव का दिमागी झटका, ये केन्ट की किताब से है, साथ ही सुनने का भी भ्रम होना चाहिए, और देखने का भी भ्रम होना चाहिए, और अंत में पौलुस को पकड़ा जाना चाहिए था, किसी महान सायकोसीस द्वारा, जिसे मसीहा काम्प्लेक्स कह सकते हैं, केवल तब ही पौलुस ये कह सकता है, कि परमेश्वर ने मुझ से कहा, और उसने मुझे आपको बताने के लिए कहा है, याने एक साथ ये चार बातें होनी थी, बदलाव का दिमागी झटका,दो अलग तरह के भ्रम, और मसीहा काम्प्लेक्स, ये सब एक ही समय आने थे, और फिर ये चला जाता और हम इसे फिर नही देखते/

चलिए मैं ये भी बता दूँ कि कैपलीन द्वारा बताए खास रेफरन्स में और साथ ही दो और सायकैट्रिस द्वारा, दिमागी झटका, इसके बारे में देखिए और सोचिए क्या पौलुस में ये दीखते हैं, 1 से 5 तक ये स्त्रियों के साथ होते हैं, और खासकर ये नौजवानों के साथ होता है, ये खासकर गरीब लोगों के साथ होता है, ये कम बुद्धिमान लोगों के साथ होता है/ और युद्ध में सिपाहियों के साथ होता है/ ये 5 मुख्य समान परिस्थितियाँ हैं, इन में से एक भी पौलुस के लिए उपयोग नही होता/

तो जब कहते हैं कि ये 5 समस्याएं हैं, साथ ही दिमागी झटका और दो भ्रम भी हो, मसीहा काम्प्लेक्स और चलिए इसमें जोड़ते हैं, पौलुस में इसके एक भी सबूत नही कि वो यहूदी विचार से मसीहियत में आना चाहता था, मुझे लगता है ये भयानक समस्या है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: शोक के भ्रम के बार एमे बताइए, ये सब क्या है?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, ठीक हैं जैक केन्ट के अनुसार शोक का भ्रम, चेले और याकूब के लिए लागू होता है,और खैर बता दूँ कि वो धन्यवाद देते हैं कि ये लिटरेचर में हैं, कि शोक के भ्रम की कोई बात नही है, डी एस एम 4, अब कुछ नही/

अब टोनी ने सही कहा, कि लोग भ्रम देखते हैं, लेकिन ये किस तरह के होते हैं? जो व्यक्ति शोक का भ्रम देखता है वो अकेला होता है, चलिए कल्पना कीजिए कि बूढी स्त्री है, जिसका पति मर गया और वो रात को कमरे में

अकेली हैं, और मुझे याद हैं मैं एक चर्च का पास्टर था वहां एक बहन कहती थी, डैडी कहाँ हैं? डैडी कहाँ हैं? और पुरे घर में चलती थी, उन्होंने यही कहा, शायद (उसके लिए)हम कह सकते हैं कि उसे शोक का भ्रम है/

लेकिन यहाँ समस्या है कि लोगों के समूह ने यीशु को देखा, यहाँ पहला कुरिन्थियों 15 में लोगों के तीन समूह हैं, ये बात भी बताइए कि वो डरे हुए थे, भ्रम डर के कारण नही आता है, भ्रम तो ऐसा है कि आप मजबूती से उस पर विश्वास करते हैं कि उसका चित्र बनाते हैं, यहाँ तक कि पौलुस के साथ भी, बहुत से अलग अलग लोग अलग जगह पर थे, स्त्री-पुरुष थे, भीतर और बाहर भी,चलते, बैठे और खड़े थे, ऐसे बहुत कुछ हैं, और खाली कब्र है/

खैर मेरे एक दोस्त ने भ्रम पर रिसर्च किया, वो किसी तरह से भी, सामान्य नियम है, ये किस तरह से भी कोई बदलाव नही लाते हैं, जिन लोगों को ये है, वो इसके बारे में बताते हैं, कोई कहेगा, आप अपने पति को नही देख सकती हैं, जी, हाँ, हाँ, आपने सही कहा, फिर यही कहते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप क्या सोचते हैं टोनी?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, इस दिमागी बदलाव के बारे में, मैं इसमें माहिर होने की कोशिश नही करूंगा, मुझे ऐसे दिखाई देता है कि ऐसे बहुत से कारण थे, कि पौलुस परेशान हो जाए, क्योंकि वो मसीही लोगों को सताने में लगा था, और कईबार इस तरह की घटनाओं में लोगों के मन बदल जाते हैं/

डॉ. गैरी हैबरमास: ये किस तरह से हो सकता है कि पौलुस बदल गया, दमिश्क के मार्ग में, वो विश्वासियों को बन्दी बनाकर मारनेवाला था, और उसके लेखों से कोई सबूत नही मिलता कि वो बदलना चाहता था? वो उन लोगों के समूह में नही था, लेकिन मेरी बड़ी समस्या है कि उसे एक ही समय चार बड़ी समस्याएँ होगी, बदलाव का झटका, सुनने में भ्रम, देखने में भ्रम, और मसीहा काम्प्लेक्स,याने परमेश्वर ने मुझ से बातें की और संसार में सब के लिए मेरे पास संदेश है/ ये चार है, ये उलझी हुई थेयरी है ये चारों बातें एक साथ हो, मेरा मुद्दा है डी एस एम में इस तरह के बदलाव के झटके नही दिए गए हैं, याने यहाँ चार एक साथ समस्याएँ हैं, और ये तो पूरी तरह असंभव है कि किसी के साथ ये बिना कारण ही हो, उसके लेखों से देखिए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, किस बुनियाद पर केन्ट ने इस तरह से कहा कि इस डेटा से, इन सबूतों से, उन्होंने ये बातें निकाली हैं, क्योंकि हम प्रेरित पौलुस से ये चित्र नही लेते हैं, क्या ये ज्यादा हायपोथेसेस नही है?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, अवश्य ही ऐसा ही है, और गैर-मसीही सबूतों के द्वारा, गैर-मसीही स्रोतों द्वारा, हम अपेक्षा नही कर सकते हैं कि बड़े भरोसे के साथ इसे बना सके, और सच में क्या हुआ इसके निश्कर्ष निकाले, जानते हैं, ये सूचि जो आपने बनाई हैं, ठीक है, इन बातों के लिए सबूत हैं, लेकिन ये तो बहुत अनजान होने की पृष्टभूमि से आता है, जो कि वहां पर था, मैं सोचता हूँ कि कोई कुछ करने कई इच्छा रखे तो यही सलाह देगा कि किसी तरह से सबूतों का अनुवाद करे, जो हमारे पास हैं, इस बात को सामने रखे बिना कि शारीरिक देह सच में देखी गई, जो वहां जो था उसे दिखाई दी, और उन्होंने उसकी फोटो लिया और इस तरह/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हम इस पर चर्चा करेंगे, गैरी, सारांश में बताइए कि कम से कम इस प्रोग्राम के लिए, और मैं यही करना चाहता हूँ कि इस मामले की जड तक जाए, जैसे टोनी कह रहे हैं, कि दूसरी ऐतिहासिक जानकारी के बारे में क्या, उसके बारे में क्या, चार मुख्य ऐतिहासिक सच्चाई हैं, जिसे आपने किताब में लिखा और 12 में से इसे बताया, जिसके पक्ष में यहाँ पर बहुत से सबूत हैं, लगभग 44 या 49 अलग अलग स्रोतों के द्वारा 129 कोट्स हैं, हम इसी पर चर्चा करेंगे लेकिन अब इसका सारांश बताइए/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, हम इस बात को देख रहे हैं कि टोनी जैक केन्ट के थिसेस को देख रहे हैं, और कह रहे हैं कि चेलों और याकूब को भ्रम हुआ था, शोक का भ्रम हुआ था और पौलुस को दिमागी झटका लगा, मैं सोचता हूँ कि ये बात तो पूरी तरह से सही नही हैं, टोनी ने ये भी कहा कि हम बहुतसी बातों को नही जानते हैं, लेकिन समस्या ये है कि हम जो जानते हैं, कि इन दोनों बातों के लिए बहुत सी सच्चाई दिखती है, हर तरह से, सायकायट्रि से, सायकोलोजी, इतिहास से, लेकिन, आपने सही कहा, मैं सोचता हूँ कि ये चार मुख्य बात जिस पर हम फिर देखेंगे, मैं सोचता हूँ कि हम पुनरुत्थान के करीब आते हैं, कम से कम 12 को हम ने देखा है कि उन्होंने यीशु को ही देखा था/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हमारे साथ बने रहीए, क्योंकि हमारे अगले सेगमेन्ट में हम चार मुख्य ऐतिहासिक सचचाई के बारे में चर्चा करेंगे, जिसे प्राचीन स्रोतों ने सहयोग दिया है, मैं सोचता हूँ कि आप इसे चूकना नही चाहेंगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2015 ऋच्ड्ढक्ष्